आधार का दम : बिछड़ों को मिलाने की बना मास्टर-की, कैसे खुद देख लीजिए

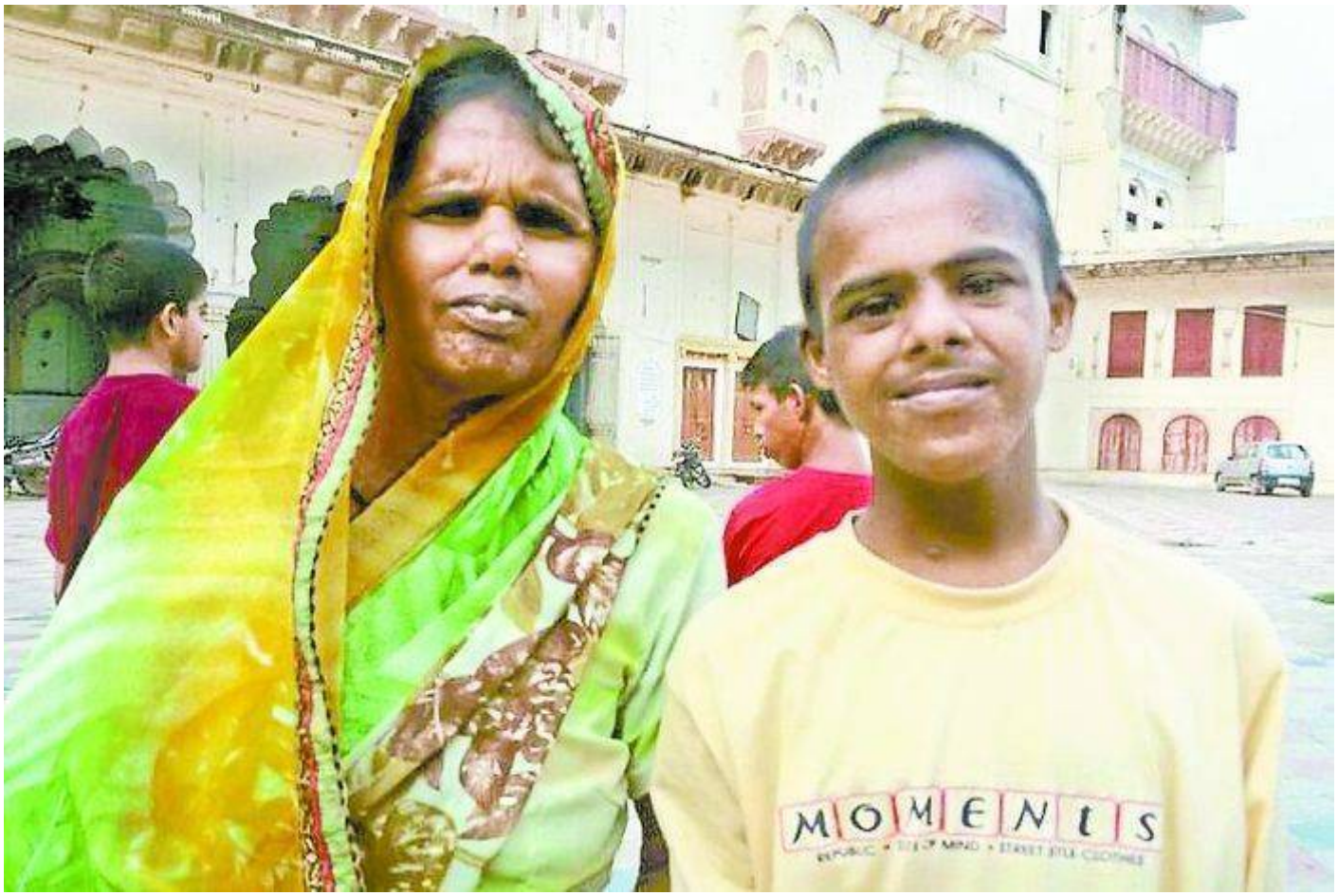

ज्योति शमा. अलवर.

मौन के विलाप और माता-पिता से बिछडऩे के गम को शायद शब्दों की जरूरत ही नहीं हो। वह गुमसुम रहता था लेकिन विशेष योग्यजन होने के बावजूद उसने अलवर के बाल विमंदित गृह में रहकर कई पुरस्कार जीत लिए।

तीन साल पहले 28 जुलाई को रवि सैनी नाम का यह बालक हरियाणा से गुम हो गया था। किसी ने अलवर में देखा तो इसे सुधार घर में पहुंचाया। आखिरकार उसे अपने मां-बाप मिल ही गए। प्रशासन की सूझबूझ और आधार की तकनीक के बूते यह बालक शुक्रवार को तीन साल बाद अपने माता पिता से मिल सका।

अलवर शहर में दो वर्ष पूर्व चाइल्ड लाइन को एक विमंदित बालक मिला। इस बालक को धोली दूब छीतरमल लाठा विमंदित गृह में पहुंचाया गया। यहां इसकी देखरेख की गई लेकिन इसके घर का पता नहीं लग सका। वह बोल नहीं सकता था, जिसके चलते विमंदित गृह संचालक की ओर से किए गए प्रयास विफल हो गए।

बीते वर्ष इसका आधार कार्ड बनाने की कोशिश की गई, लेकिन आंख की पुतलियां रुकने के कारण इसका आधार कार्ड नहीं बन सका। 10 दिन पहले विमंदित बाल गृह के संचालक प्रभाकर शर्मा ने इसके लिए जिला स्तरीय सूचना एवं प्रौद्योगिक विभाग केन्द्र में प्रभारी दिव्य जैन से सम्पर्क किया और इसका आधार कार्ड बनवाने का फिर प्रयास किया।

इस केन्द्र की ओर से कई दिनों तक किए गए प्रयास के बाद जब इसकी इसकी आंख की पुतलियां ठहरी तो सर्वर पर पता चला कि इस बालक का आधार कार्ड वर्ष 2013 में हरियाणा के सोहना कस्बे में बन चुका है। इस आधार पर विमंदित बालक रवि के बड़े भाई का नम्बर था।

इस फोन नम्बर पर विमंदित गृह के संचालक ने कई फोन किए लेकिन वह नहीं उठा और बात नहीं हो सकी। गुरुवार को उसी मोबाइल नम्बर से एक व्यक्ति का फोन आया। उसने बताया कि विमंदित बालक रवि उसका भाई है जो तीन साल पहले गुम हो गया था।
कॉलेजों में सत्र शुरू हुए 17 दिन बीते पर अभी तक नहीं बना पढ़ाई का माहौल

दिव्यांग होते हुए जीते कई मैडल
रवि की उम्र इस समय 17 वर्ष है।। वह तीन साल से घर से लापता था। दो वर्ष अलवर के विमंदित गृह में रहकर वह खेलकूद गतिविधियों में भाग लेने लगा था। इस दौरान इसने दिव्यांगों की 2016 में हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक, जनवरी 2017 में दिव्यांगों की जोधपुर में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दो गोल्ड मैडल जीते। यह अपने दोस्तों के साथ खुश था। शुक्रवार शाम को जब यह अपने परिवार के साथ जा रहा था जो सारे दिव्यांग इसके बिछुडऩे पर रो पड़े।

मां बोली यह मेरा लाडला बेटा
अलवर फोन पर बात होने के बाद हरियाणा के सोहना कस्बे से विमंदित बालक की मां लक्ष्मी देवी और इसके तीन भाई पड़ोसियों के साथ शुक्रवार को अलवर पहुंचे। यहां मां ने अपने बेटे रवि को देखा तो वह फूट-फूट कर रो पड़ी। मां लक्ष्मी देवी ने बताया कि आधार कार्ड ने मेरे बेटे को मुझसे मिलवाया है। यह तीन साल पहले सोहना से गायब हो गया था। यह मेरा सबसे छोटा लाड़ला बेटा है जिसके गम में इसके पिता भी चल बसे थे। अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय राजेन्द्र चतुर्वेदी ने विमंदित बालक के परिजनों से बातचीत की और इन्हें बेटा व भाई मिलने पर बधाई दी।

चतुर्वेदी ने बताया कि आधार कार्ड ने बालक को अपने परिवार से मिलवाया है। कोई भी व्यक्ति डिपार्टमेंट ऑफ इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी के माध्यम से पुराने आधार को ढूंढना आसान है। इस बच्चे के परिजनों की तलाश भी इसी माध्यम से संभव हो सकी है।